[This question paper contains 3 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **7988** **IC**

Unique Paper Code : 12057504

Name of the Course : **B.A.(Hons.) Hindi-CBCS - DSE - 1**

Name of the Paper : भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत

Semester : V

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(अ) इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(ब) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. नाटक का विधागत वैशिष्ट्य स्पष्ट करते हुए पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य-तत्वों का विवेचन कीजिए। 15

अथवा

'नाटक और रंगमंच परस्पर आश्रित हैं.' – कथन की समीक्षा कीजिए।

P.T.O.

Scanned by CamScanner

2. रंगकर्म में अभिनेता के महत्त्व और भूमिका पर विचार कीजिए। 15

अथवा

नाटक के सन्दर्भ में अरस्तू के विरेचन सिद्धांत का विश्लेषण कीजिए।

3. त्रासदी का स्वरुप स्पष्ट करते हुए इसके प्रमुख तत्वों का परिचय दीजिए। 15

अथवा

नाटक के सन्दर्भ में भरत मुनि के रस सिद्धांत का विश्लेषण कीजिए

4. रूपक की परिभाषा देते हुए इसके प्रमुख भेदों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 15

अथवा

नुक्कड़ नाटक से आप क्या समझते हैं ? इसकी प्रस्तुति-शैली के विषय में विस्तार से लिखिए।

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 7.5+7.5=15

(क) नाट्यानुभूति और रंगानुभूति

(ख) एकांकी

Scanned by CamScanner